RAJYA SABHA

Thursday, the 4th May, 1995/14th Vaisakha 1917 (Saka)

The House met at eleven of the clock,

Mr. Chairman *in the Chair*

MEMBER SWORN

Shri Mohan Babu (Andhra Pradesh)

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Task Force for Aquaculture

*421. MAULANA OBAIDULLAH KHAN AZMI:†
SHRI SANJAY DALMIA:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government have constituted a Task Force for Aquaculture;

(b) if so, what is its composition and what are the terms of references thereof; and

(c) the status of this Task Force?

THE MINISTER OF STATE IN THE PRIME MINISTER'S OFFICE AND THE MINISTER OF STATE IN DEPTTS. OF ATOMIC ENERGY AND SPACE AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY (SHRI BHUVNESH CHATURVEDI): A state ment with respect to (a), to (c) is laid on the Table of the House.

Statement

The Department of Biotechnology has constituted a Task Force on Aquaculture and Marine Biotechnology. The composition of the Task Force is:

Chairman

1. Dr. S.N. Dwivedi
Scientist Emeritus
National Institute of Oceanography
Goa 403 004.

Members

2. Dr. P.V. Dehadrai
D.D.C. (Fisheries), ICAR
New Delhi 110 001.

3. Dr. P. Das
Director
National Bureau of Fish Genetic Resources (ICAR)
Luckno#-226 004.

4. Director
Central Institute of Freshwater Aquaculture (ICAR)
Bhubaneshwar-751 002.

5. Director
Central Marine Fisheries Research Institute (ICAR)
Cochin-682 014.

6. Dr. M. Sakthivel
President
Aquaculture Foundation of India
Madras-600 041.

7. Fisheries Development Commissioner,
Ministry of Agriculture
New Delhi-110 001.

8. Dr. P.M. Mathew
Professor
Kerala Agricultural University
Cochin-682 506.

9. Dr. K.C. Majumdar
CCMB (CSIR)
Hyderabad-500 007.

10. Director
Central Institute of Fisheries Education (ICAR)
Bombay-400 061.

11. Dr. S.A.H. Abidi
Director
Department of Ocean Development
New Dclhi-110 003.

12. Dr. Usha Sharma
Director
Department of Science & Technology
New Dclh.

† The Question was actually asked on the floor of the House by Mauiana Obaidullah Khan Azmi.

13. Adviser
Deptt, of Biotechnology
New Delhi.

14. Dr. George John
Director
Deptt, of Biotechnology
New Delhi.

15. Dr. A.S. Ninewe
Principal Scientific Officer Deptt,
of Biotechnology, New Delhi.

Thft terms of reference include:

(i) To guide the Department to identify the priority areas for Aquaculture & Marine Biotechnology programmes.

(ii) To review the technical progress as well as financial and administrative aspects, to suggest the future course of action to the project leaders for achieving the targets laid down by the Committee.

(iii) To help in generating new projects in the emerging areas by way of Brain Storming Sessions/Group discussions

(iv) To guide in utilising the research findings for commercial exploitation.

(v) The CoT.idttee to meet once in 6 months. Whenever necessary other experts v. ill participate as special invitees.

The Task Force was first constituted on 29.8.90. It was reconstituted on 21.1.94 for 3 years. Programmes and projects supported by the Department are evaluated, recommended and monitored by the Task Force. It also generates new activities with the help of experts.

11.00 A M

मौलाना ओबेदुल्ला खान आजमी: सर, मुझे तो उम्मीद थी कि आज प्राइम मिनिस्टर साहब यहां मौजूद होंगे क्योंकि हफ्ते में यहां उनका एक दिन होता है।

श्रीमती जयन्ती नटराजन: वह "सार्क" में हैं।

मौलाना ओबेदुल्ला खान आजमी: सर, आबी खेती यानी जल कृषि गैर-मुल्की जरे मुबादला कमाने के लिए, हमारे किसानों की आमदनी में इज़ाफा करने और आम शहरी लोगों की सेहत में नुमाया सुधार के लिए एक अहम रोल अदा करती है। अगर हमारी तहकीक को मजीद तेजतर बनाया जाय तो और ज्यादा मयस्सर रोल यह काम अदा कर सकता है। सर, मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि आबी खेती के मैदान में अब तक किन-किन चीजों पर रिसर्च हुई है, उनसे किसानों को क्या-क्या फायदे पहुंचे हैं, आजकल किन-किन चीजों पर रिसर्च चल रही है और तहकीक मजीद तेजतर करने में और किसानों तक उसे पहुंचाने में हुकूमत कौन-कौनसे इकदामात करने जा रही है?

†मौलाना عبید اللہ خاں اعظمی: سر مجھے امید تھی کہ آج پرائم منسٹر صاحب یہاں موجود ہوں گے - کیونکہ ہفتے میں یہاں انکا ایک دن ہوتا ہے -

شریمتی جینتی نٹراجن: وہ "سارک" میں ہیں -

مولانا عبید اللہ خاں اعظمی: سر آبی کھیتی یعنی جل کرشی غیر ملکی زرمبادلہ کمانے کیلئے ہمارے کسانوں کی آمدنی میں اضافہ کرنے اور عام شہری لوگوں کی صحت میں نمایاں سدھار کیلئے ایک اہم رول ادا کرتی ہے - اگر ہماری تحقیق کو مزید تیز تر بنایا جائے تو اور زیادہ موثر رول یہ کام ادا کر سکتا ہے - سر - میں سرکار سے جاننا چاہتا ہوں کہ آبی کھیتی کے میدان میں اب تک کن کن چیزوں پر ریسرچ ہوئی ہے -

† [ ] Transliteration in Arabic Script.

اسمیں کسانوں کو کیا کیا فائدے پہنچے ہیں۔ آجکل کن کن چیزوں پر ریسرچ چل رہی ہے اور تحقیق مزید تیز کرنے میں اور کسانوں تک اسے پہونچانے میں حکومت کون کون سے اقدامات کر رہی ہے؟

श्री भुवनेश चतुर्वेदी: माननीय सभापति जी, मैं यह अर्ज करना चाहता हूं कि इस विषय पर "नोडल मिनिस्ट्री" कृषि मंत्रालय है। बेसिकली यह एग्रीकल्चर मिनिस्ट्री और एनवायरनमेंट मिनिस्ट्री का सवाल है, लेकिन जो मुझसे पूछा गया है, वह मैं आपको निवेदन करना चाहता हूं कि जो "टॉस्क फोर्स" बना हुआ है, उसके तहत 4-5 तरह की गाइडलाईस किसानों को, जोकि इस काम में लगे हुए हैं, दी जाती हैं। उन्हें आधुनिक तरीके समझाए जाते हैं और फीड या चारा उपलब्ध कराया जाता है और तरह-तरह की तकनीकों से उनको संतुष्ट किया जाता है।

मौलाना ओबेदुल्ला खान आजमी: सर, मैं यह जानना चाहता था कि इसमें तकनीक क्या-क्या हुई है या रिसर्च क्या हुई है क्योंकि लाखों, करोड़ों और अरबों रुपया इस काम पर खर्च किया जा रहा है, तो उस रुपए के मुताबिक की शक्ल क्या सामने देश के आ रही है और देश के लोग उसे किस तरह से महसूस करते हैं और आम किसानों को उससे किस तरह से फायदा पहुंचता है? सर, मेरे पहले सप्लीमेंटरी की जान यह है। यह मैं जानना चाहता था जिसे मंत्रीजी ने नहीं बतलाया है। तो मुझे पहली सप्लीमेंटरी का जवाब दिलवा दीजिए, उसके बाद मैं दूसरी सप्लीमेंटरी पूछूंगा।

†مولانا عبید اللہ خاں اعظمی: سر میں یہ جاننا چاہتا تھا کہ اسمیں تحقیق کیا کیا ہوئی ہے۔ یا ریسرچ کیا ہوئی کیونکہ لاکھوں۔ کروڑوں اور اربوں روپیہ اس کام پر خرچ کیا جا رہا ہے۔ اور اس روپئے کے مصارف کی شکل کیا سامنے دیش کے آرہی ہے اور دیش کے لوگ اسے کس طرح محسوس کرتے ہیں اور عام کسانوں کو اس سے کس طرح سے فائدہ پہونچتا ہے۔ سر۔ میرے پہلے سپلیمنٹری کی جان یہ ہے۔ یہ میں جاننا چاہتا تھا۔ جیسے منتری جی نے نہیں بتلایا ہے۔ تو مجھے پہلی سپلیمنٹری کا جواب دلوا دیجئے۔ اسکے بعد میں دوسری سپلیمنٹری پوچھونگا۔

श्री भुवनेश चतुर्वेदी: माननीय अध्यक्ष जी, मैंने जवाब देने की कोशिश की है, लेकिन मैं आपको दोबारा से निवेदन करना चाहता हूं।

डा० बापू कालदाते: आप दोनों एक-दूसरे को यही कहते रहिएगा।

श्री संघ प्रिय गौतम: आप कोशिश मत कीजिए, जवाब दे दीजिए।

श्री भुवनेश चतुर्वेदी: मैं तो जवाब देने की कोशिश ही कर सकता हूं। खैर, मैं निवेदन करना चाहता हूं कि...

किसानों को इससे बहुत लाभ हुए हैं और आपका जो ख्याल है कि अरबों रुपया खर्च हो रहा है, तो अरबों रुपया खर्च नहीं हो रहा है। धारणा सही नहीं है लेकिन ...(व्यवधान)...

मौलाना ओबेदुल्ला खान आज़मी: कितने रुपए खर्च हो रहे हैं, वह आप बता दीजिए।

†مولانا عبید اللہ خاں اعظمی: کتنے روپئے خرچ ہو رہے ہیں۔ وہ آپ بتا دیجئے۔

श्री भुवनेश चतुर्वेदी: जो भी रुपया खर्च हो रहा है, एक भी रुपया अगर खर्च हो रहा है तो उसका उपयोग बराबर पूरी तरह किया जा रहा है। उससे किसानों की आर्थिक स्थिति, उनकी तकनीकी नॉलेज बढ़ाया जा रहा है और सेभी इन्टेन्सिव एग्रीकल्चर जो है इसमें किया जा रहा है। यह मैं आपको निवेदन कर दूं।

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

मौलाना ओबेदुल्ला खान आज़मी: सर, किसानों को क्या लाभ हुआ है?

†[مولانا عبید اللہ خاں اعظمی: سر، کسانوں کو کیا لابھ ہوا ہے-]

MR. CHAIRMAN: Actually, you were complaining that there is not enough money for research. Not that the money is being wasted, but enough money is not given. That was your complaint.

मौलाना ओबेदुल्ला खान आज़मी: नहीं, सर, ऐसा है कि खेती बाड़ी के सिलसिले में लोग इतना ऊब चुके थे कि खेती करने में सिवा फाकाकशी के कोई दूसरा काम नहीं आता और इसलिए हम लोग सड़कों पर चलकर मजदूरी कर लें या शहरों में चलकर तामीरात-ए-आम्मा कर लें, जिससे अपने बाल बच्चों के पालन-पोषण का काम कर सकें। खेती एक ऐसा काम है, जिसमें दिन-रात मजदूर अपनी मेहनत करने के बाद भी उसका फल और लाभ नहीं पाता।

†[مولانا عبید اللہ خاں اعظمی: نہیں سر- ایسا ہے کہ کھیتی باڑی کے سلسلے میں لوگ اتنا اوب چکے تھے کہ کھیتی کرنے میں سوا فاقہ کشی کے کوئی دوسرا کام نہیں آتا اور اسلئے ہم لوگ سڑکوں پر چلکر مزدوری کر لیں یا شہروں میں چلکر تعمیرات عامہ کر لیں- جس سے اپنے بال بچوں کے پالن پوشن کا کام کر سکیں- کھیتی ایک ایسا کام ہے جس میں دن رات مزدور اپنی محنت کرنے کے بعد اسکا پھل اور لابھ نہیں پاتا-]

MR. CHAIRMAN: The question is about aquaculture.

मौलाना ओबेदुल्ला खान आज़मी: सर, मैं यह कह रहा था, वह कह रहे हैं कि इसके जरिए किसानों को बेपनाह फायदा पहुंचा है। तब तो खेती बिजनेस बन गई है। उनको बिजनेस समझाने के लिए इन्होंने किसानों को कौनसा फायदा पहुंचाया है? यह सिर्फ कहने से तो काम नहीं चलेगा कि किसानों को बहुत इससे फायदा पहुंचा है। मुझे एक, दो, तीन, चार, कौन कौनसे फायदे पहुंचे हैं, वह कुछ तो आप बता दीजिए ताकि पार्लियामेंट के माध्यम से पूरा देश इस बात को जान सके, जिसका दावा आप पार्लियामेंट में कर रहे हैं। उसके बाद ही मैं सेकेण्ड सप्लीमेंटरी पूछूंगा।

†[مولانا عبید اللہ خاں اعظمی: سر میں یہ کہہ رہا تھا- وہ کہہ رہے ہیں کہ اسکے ذریعے کسانوں کو بے پناہ فائدہ پہونچا ہے- تب تو کھیتی بزنس بن گئی ہے- انکو بزنس سمجھانے کیلئے انھوں نے کسانوں کو کونسا فائدہ پہونچایا ہے- یہ صرف کہنے سے تو کام نہیں چلیگا کہ کسانوں کو بہت اس سے فائدہ پہونچا ہے- مجھے ایک- دو- تین- چار کون کون سے فائدے پہونچے ہیں وہ کچھ تو آپ بتا دیجئے تاکہ پارلیمنٹ کے مادھیم سے پورا دیش اس بات کو جان سکے- جسکا دعوی آپ پارلیمنٹ میں کر رہے ہیں- اسکے بعد ہی میں سیکنڈ سپلیمنٹری پوچھونگا-]

श्री भुवनेश चतुर्वेदी: सर, तीन सप्लीमेंटरी पूछने के बाद भी अभी सेकेण्ड सप्लीमेंटरी नहीं हुआ। मैं आपको निवेदन कर रहा हूं कि अभी तक,

Sir, I would request the House that the normal...

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

मौलाना ओबेदुल्ला खान आज़मी: अगर मुझे हिन्दी में ही जवाब दें तो ज्यादा बेहतर होगा। अंग्रेजी समझने में मुझे थोड़ी परेशानी हो रही है। आप तो हिन्दी बोल सकते हैं। ....(व्यवधान)...

†[مولانا عبیداللہ خان اعظمی: اگر آپ ہندی میں ہی جواب دیں تو زیادہ بہتر ہوگا۔ انگریزی سمجھنے میں مجھے تھوڑی سی پریشانی ہو رہی ہے۔ آپ تو ہندی بول سکتے ہیں۔ ..."مداخلت"...]

श्री भुवनेश चतुर्वेदी: हिन्दी मैं बोल सकता हूं, पहले बोला ही था। मैं उर्दू जरुर नहीं बोल सकता, यह मेरी बदकिस्मती है। आपको हिन्दी में समझाने की कोशिश करता हूं। ....(व्यवधान)..

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir, we don't understand Hindi.

MR. CHAIRMAN: Leave it to the Minister to speak in whichever language he wants. Please go ahead.

मौलाना ओबेदुल्ला खान आज़मी: आप हिन्दुस्तानी जुबां में मुझे जवाब दें, जिस जुबां में, सर, हम समझ सकें। ...(व्यवधान)...

†[مولانا عبیداللہ خان اعظمی: آپ ہندی زبان میں مجھے جواب دیں۔ جس زبان میں سر، ہم سمجھ سکیں۔]

...(Interruptions)...

MR. CHAIRMAN: Please sit down.

...(Interruptions)...

श्री भुवनेश चतुर्वेदी: सर, मैं यह निवेदन करता हूं ....(व्यवधान)..... मैं यह अर्ज करना चाहता हूं कि इसमें अभी तक जो चारा आता है उसमें 90 परसेंट चारा बाहर से मंगाया जाता था, जिससे किसानों को बहुत महंगा पड़ता था। अब वह चारा यहां देश में बनाने की कोशिश हो रही है। दस फैक्टरी उसमें बनाने की तैयार कर ली गई है और पन्द्रह फैक्टरी और बनाने का इरादा है, लेकिन अभी तो चारा विदेश से आएगा और कुछ वर्ष यह चारा आता रहेगा। तो यह किसानों को सीधा लाभ होगा। इसी तरह जो नए आधुनिक तरीके बनाए जा रहे हैं और जो इम्प्रूव्ड चारा तैयार किया जा रहा है उससे उनकी उपज में बढ़ौतरी हो रही है। इससे उनको आर्थिक लाभ हो रहा है।

मौलाना ओबेदुल्ला खान आज़मी: सर, मेरा दूसरा सप्लीमेंटरी यह है कि उत्तर प्रदेश और बिहार में आबी खेती की क्या-क्या गुंजाइश है? इन दोनों सूबों में आबी खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने क्या इकदामात किए हैं और, इस काम के लिए पिछले साल और इस साल कितना पैसा लगाया गया है? खेती करने के लिए डीजल, पानी और बिजली, तीनों चीजें निहायत ही आवश्यक और जरूरी हैं। इस सिलसिले में किसानों को कितने सबसिडी दी गई है या कितनी सबसिडी दी जाएगी? क्या सरकार कम से कम पांच हॉर्स पावर बिजली किसानों को फ्री देकर किसानों के मनोबल को बढ़ाने और खेती, एग्रीकल्चर की तरफ उन्नति देने पर गौर कर रही है?

†[مولانا عبیداللہ خان اعظمی: سر، میرا دوسرا سپلیمنٹری یہ ہے کہ اتر پردیش اور بہار میں آبی کھیتی کی کیا کیا گنجائش ہے۔ ان دونوں صوبوں میں آبی کھیتی کو بڑھاوا دینے کیلئے سرکار نے کیا اقدامات کئے ہیں۔ اور اس کام کیلئے پچھلے سال اور اس سال کتنا پیسہ لگایا گیا ہے۔ کھیتی کرنے کیلئے ڈیزل اور پانی اور بجلی - تینوں چیزیں نہایت آوشیک اور ضروری ہیں۔ اس سلسلے میں کسانوں کو کتنی سبسڈی دی جائیگی۔ کیا سرکار کم سے کم پانچ ہارس پاور بجلی کسانوں کو فری دیکر کسانوں کے منوبل کو بڑھانے اور کھیتی - ایگریکلچر کی طرف انتی دینے پر غور کر رہی ہے۔]

† [ ] Transliteration in Arabic Script.

श्री भुवनेश चतुर्वेदी: बिजली मुफ्त देने का यहां तक सवाल है, यह तो बिजली मंत्रालय से संबंधित है। इस विभाग से इसका संबंध नहीं है।

श्री ईश दत्त यादव: आप प्रधानमंत्री जी की तरफ से जवाब दे रहे हैं तो सब बता सकते हैं।

श्री भुवनेश चतुर्वेदी: नहीं, सब कुछ नहीं बता सकता। मैं अपनी सीमा में रहूंगा। यह जो मुख्यतया बात है यहां, उत्तर प्रदेश में यह बहुत बड़ा काम नहीं है। अगर उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से कोई प्रस्ताव आएंगे तो इस पर सरकार विचार करेगी और उसमें पूरी तरह मदद करने के प्रयत्न करेंगे।

श्री संजय डालमिया: सर, मैं यह जानना चाहूंगा कि यह समिति पांच साल पहले बनी थी और उसका मुख्य उद्देश्य यह था कि इस एक्वाकल्चर को एक साईंटिफिक रूप देकर पूरे देश में फैलाया जाए, जिससे एक तो रोजगार मिल सके, दूसरा इसमें प्रोडक्टिविटी बढ़ सके।

आज हमारे देश में एक्वाकल्चर भाग से जो कार्रवाई हो रही है, वह बहुत पुराने तौर-तरीके से हो रही है जिसके कारण उसमें उत्पादन बहुत कम है। तो इस समिति का एक लक्ष्य यह भी था कि किस तरह से किसानों को या जो इससे जुड़े हुए हैं, उनको नई टैक्नोलॉजी देकर इसमें उत्पादन बढ़ाया जा सके। तो मैं यह जानना चाहूंगा कि पिछले पांच सालों में कौन-कौन से क्षेत्र में नई टैक्नोलॉजी देकर उत्पादन बढ़ाया गया है और पहले वह क्या था, अब क्या हुआ है?

श्री भुवनेश चतुर्वेदी: मैं निवेदन करना चाहता हूं कि जो टास्क फोर्स बनाया है विभाग ने और सबसे पहले 1990 में यह टास्क फोर्स बना, फिर तीन साल बाद यह टास्क फोर्स रि-कांस्टीट्यूट हुआ और इस टास्क फोर्स की हर छः महीने में कम से कम एक मीटिंग होती है और उसके जो उद्देश्य बताते हैं, जो मैंने इस स्टेटमेंट में दिए हैं, अगर आप चाहें तो मैं फिर निवेदन कर देना चाहता हूं कि to identify priority areas, to review technical progress, to help if there are new projects, to guide utilising research fundings and to meet once in six months.

यह टास्क फोर्स के उद्देश्य हैं। इस तरह से टास्क फोर्स हर छः महीने में मीटिंग करके उन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए कार्य करती है और किसानों को यथासमय सहायता करती है और उनका मार्गदर्शन करती है। सिर्फ एक यही फील्ड है एक्वाकल्चर का और इसका अन्य फील्ड नहीं है और कोई दूसरे आसपेक्ट नहीं हैं।

श्री संजय डालमिया: मैं यह जानना चाह रहा था, सर,

I wanted to know what they have achieved in five years. I have seen the guidelines. My first supplementary is, what have they achieved in five years. I am sure, five years is a long period. What work have they done?

SHRI BHUVNESH CHATURVEDI: Sir, I have suggested, and I will repeat that a new sea feed has been developed within the country because earlier it was only being imported. We have developed indigenous sea feed. One major aspect of the other things is that there are several diseases attached to this feed and we are able to control them.

SHRI SANJAY DALMIA: My second supplementary ...

MR. CHAIRMAN: You are not allowed to ask the second supplementary. Shri Yerra Narayanaswamy.

SHRI YERRA NARAYANA-SWAMY: Sir, is it a fact that most of the farmers of aquaculture in the East Coast, i.e., the Bay of Bengal lost their crop during 1994-95 season due to virus and bacterial diseases and lost crores of Rupees. How the Government is going to help the farmers.

SHRI BHUVNESH CHATURVEDI: Are you asking about the damages to the aquaculture or something else?

DR. ALLADI P. RAJKUMAR: Nearly Rs. 400 crores have been lost during the recent virus and bacterial diseases. Would the Government help these farmers?

SHRI BHUVNESH CHATURVEDI: I have no figures just now as to what help has been given to them because it relates to the West Bengal Government. Still, we have taken all measures and we are giving them necessary technical advice and new feed for fresh aquaculture ...*(Interruptions)*...

SOME HON. MEMBERS: There is no Cabinet Minister.. *(Interruptions)*..

MR. CHAIRMAN: Please let the question be asked. ..*(Interruptions)*..

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: There are 16 Cabinet Ministers and no Cabinet Minister here! ..*(Interruptions)*..

SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA: For the last five days we have been raising this ..*(Interruptions)*.. No, no. ..*(Interruptions)*..

SHRI DIGVIJAY SINGH: There are five-six Cabinet Ministers belonging to this House. But no Minister here! ..*(Interruptions)*..

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: The entire Cabinet is absent. This was raised previoulsy. We understand why the Prime Minister is absent. ..*(Interruptions)*..

MR. CHAIRMAN: This is no reason to interrupt the Question Hour. .^*(Interruptions)*..*The* Prime Ministers' absence during the Question Hour is no reason. There is an authorised Minister who can answer this. Please ..*(Interruptions)*.. This is no reasons. ..*(Interruptions)*.. I am sorry. This is not a valid point to interrupt the Question Hour. There is an authorised Minister who can answer. ..*(Interruptions*)*..

SHRI DIGVIJAY SINGH: This is not the answer. ..*(Interruptions)*.

«

SHRI S. JAIPAL REDDY: I think the Chair is not able to hear the point of submission. ..*(Interruptions)*..

MR. CHAIRMAN: Would the others please sit down? ..*(Interruptions)*...

SHRI S. JAIPAL REDDY: Sir, I am not able to here. ..*(Interruptions)*.. Sir, our point of submission is that... *(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Will you please sit down?

SHRI S. JAIPAL REDDY: Sir, ourpoint of submission is that never in the history of this House has the Question Hour been conducted without a single Cabinet Minister. We understand the absence of the Prime Minister. We totally agree with you, Sir. But, how can anybody explain the total absence of the entire Cabinet? Can the business of the House be conducted during the Question Hour without any Cabinet Minister?

श्री दिग्विजय सिंहः सर, यह सदन की परम्परा रही है हमेशा से। कभी हमने यह आज तक देखा नहीं। पहली बार ऐसा हो रहा है।

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Sir, this has never happened in this House. ....*(Interruptions)*.. Sir, I draw your attention to the fact that this has never happened in the House. It is an insult to the House when the entire Cabinet has been allowed to remain absent during the Question Hour in the Rajya Sabha. Sir, this cannot be allowed. ..*(Interruptions)*..

MR. CHAIRMAN: I have gone through the Question and the first three Questions are the Prime Minister's subjects. *(Interruptions)* They are not with any Cabinet Minister but are with the Prime Minister...*(Interruptions)*.. The concerned Cabinet Minister can be present. ..*(Interruptions)*, .the Prime Minister is in charge of all these portfolios.

विपक्ष के नेता (श्री सिकन्दर बख्त): मुझे गलतफहमी थी कि श्रीमती कृष्णा साही केबिनेट मिनिस्टर हैं। वाकई ऐसा है तो कोई केबिनेट मिनिस्टर मौजूद होना चाहिए।

†[شری سکندر بخت: مجھے غلط فہمی تھی کہ شریمتی کرشنا ساہی کیبنیٹ منسٹر ہیں۔ واقعی ایسا ہے تو کوئی کیبنیٹ منسٹر موجود ہونا چاہیے۔]

They are taking the House very casually.. *(Interruptions)*... This is definitely a wrong thing. .*(Interruptions)*... absolutely wrong. This really cannot be done.

† [ ] Transliteration in Arabic Script.

MR. CHAIRMAN: I would like to say...*(Interruptions)...!* am going through the first three or four questions and all these are not with any Cabinet Minister, but are with the Prime Minister. I would like to say that whatever the Cabinet Minister cannot answer only his deputy can answer.

SHRI SIKANDER BAKHT: Has the presence of the Cabinet Minister been exempted? ...*(Interruptions)*... Can his Questions be answered...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Please, sit down. ... *(Interruptions)*...

SHRI VAYALAR RAVI: Sir, you have rightly pointed that all Questions belong to the Prime Minister. Sir, it is not correct to say that the Cabinet Ministers are absenting themselves from answering the Questions. It creates a wrong impression *(Interruptions)*.

MR. CHAIRMAN: I do not know whether you can quote any rule that only the Cabinet Minister must answer. It is the *Government...(Interruptions)*... It is on behalf of the Government...*(Interruptions)*... So, I do not think it is beyond the rules. ..*(Interruptions)*. What you are saying in essence is that most of the Questions which are now to be answered are to be answered by the Prime Minister. .. *(Interruptions)*...

SYED SIBTEY RAZI: Sir, I have a submission...*(Interruptions)*.. Sir, they say that there should be a Cabinet Minister. Sir, there is a system of duty roster for the Ministers. But, during the Question Hour, there is no such system of roster duty...*(Interruptions)*... Let me finish. During Question Hour the relevant Minister or Ministers are present in the House. This was the tradition. As you rightly say, this Question Hour is *lotetiy...(Interruptions)*. So, the Prime Minister has already written to you *(Interruptions)* Let me complete. You permitted the Minister of state to speak in the absence of the Cabinet Minister who is present in the House.

MR. CHAIRMAN: Will you please sit down? I have asked Mr. Jaipal Reddy to speak.

SHRI DIGVIJAY SINGH: I say the Cabinet Minister is not present in the House. There is some prestige. *(Interruptions)* **सर, यह तो टोटली गलत है। ...(व्यव-धान)...**

SHRI S. JAIPAL REDDY: We have welcomed the entry of the Leader of the House who is also the Cabinet Minister.

SHRI V. NARAYANASAMY: Is there a single ruling where the Cabinet Minister has to be present in the House? You cannot insist.

MR. CHAIRMAN: Will you please sit down?

SHRI S. JAIPAL REDDY: Sir, I must first apologise that we could not make ourselves understood. We could not make our point clear. **ऐऐऐ(व्यवधान)...**

मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमी: एक भी मिनिस्टर नहीं है यहां। ...(व्यवधान)...

MR. CHAIRMAN: Please allow the Member to speak.

SHRI SIKANDER BAKHT: It is not over. The question was raised on the floor of the House. The Leader of the House has come.

SHRI S. JAIPAL REDDY: There is a need for the Chairman to give ruling. Therefore, I- am raising this point. Sir, the point we were trying to make was this. In the House the Government must, at all times be invariably represented by a Cabinet Minister not a particular Cabinet Minister, during the Question Hour all the more, Sir. We appreciate the point that all the questions today happen to be. addressed to the Prime Minister. That does not mean that other Cabinet Ministers are debarred from attending the Question Hour. On the contrary, the wel-established time-honoured convention is that one of the Cabinet Ministers must be

present in the House. And it is a matter of regret that the Government did not take care to see that it is represented by a Cabinet Minister. Though I welcome the entry of the Home Minister, Sir, I want the Chair to give a ruling for all time to come. The Government should take care in this regard.

MR. CHAIRMAN: I have to consider it, I am afraid I have to look up some proceedings or precedents and I will give a ruling after that.

श्री ईश दत्त यादव: सर, एक मिनट हमें निवेदन करना है।

MR. CHAIRMAN: Mr. Suresh Pachouri. (*Interruptions)* Please let us not flog this issue any more.

श्री ईश दत्त यादव: एक मिनट का टाइम दे दें। सर, हमारा निवेदन यह है कि इस समय जो सवाल उठाया गया है, मैं उससे सहमत हूं लेकिन रोज़ की समस्या होती है, जब कोई महत्वपूर्ण बिल पर बहस होती है मान्यवर तो कोई केबिनेट मंत्री यहां नहीं रहता। यह सवाल उठाया जाता है, फिर संसदीय कार्य मंत्री दौड़ती है, किसी को ढूंढ़ कर ले आती है। रोज़ की यह परम्परा है, इस सदन का अपमान हो रहा है, इसलिए मेरा आपसे अनुरोध है ...(व्यवधान)... मैं आप के माध्यम से अनुरोध करना चाहता हूं कि मारग्रेट अल्वा जी को प्रधान मंत्री केबिनेट मंत्री बना दें तो रोज़ की समस्या हल हो जाएगी।

MR. CHAIRMAN: There is no more discussion on this now. Please sit down. I said I will give a ruling later.

श्री सुरेश पचौरी: माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि डिपार्टमेंट आफ बायो टेक्नोलोजी ने जो एक्वा-कल्चर पर टास्क फोर्स का गठन किया है, उसमें कौन-कौन से प्रायर्टी एरियाज़ आइडेंटीफाई किये हैं और वह किन-किन राज्यों में है? मध्य प्रदेश से कितने प्रायर्टी एरियाज़ इन्होंने दर्शाए हैं और उस दिशा में कितनी प्रगति हुई है? इन प्रायर्टी एरियाज़ के लिए कितने धन का आबंटन किया गया है? यह मैं आपके माध्यम से जानना चाहूंगा। नये प्रोजेक्ट्स जेनरेट करने के लिए इन्होंने जिन टर्म्स आफ रेफ्रेंस का ज़िक्र किया है क्या यह रिसर्च फनडिंग के आधार पर नये प्रोजेक्ट्स जेनरेट किये जा रहे हैं या और कोई मापदंड अपनाया गया है? जो टास्क फोर्स की मीटिंग्ज़ हुई उनमें से पिछली तीन मीटिंग्ज़ किन-किन तिथियों को हुई और उनकी फाइंडिंग्ज़ क्या है तथा उसमें क्या प्रगति है?

श्री भुवनेश चतुर्वेदी: सभापति जी, टास्क फोर्स में और जिस तरह से एक्वा-कल्चर में काम चल रहा है, उसमें पहले आन्ध्र प्रदेश है, तमिलनाडु है, मध्य प्रदेश है, उड़ीसा है, पांडिचेरी है, वेस्ट बंगाल है, अंडमान निकोबार है, गुजरात है। इन सभी प्रदेशों में यह काम चल रहा है लेकिन अभी मध्य प्रदेश में इतनी तेजी से काम नहीं हुआ है जितना आन्ध्र प्रदेश और तमिलनाडु में हुआ है। जो भी मध्य प्रदेश राज्य सरकार की सिफारिश आएगी या टास्क फोर्स आडेंटीफाई करेगी, उस एरिया में मध्य प्रदेश को भी पूरी प्राथमिकता के आधार पर मदद दी जाएगी।

श्री जनार्दन यादव: बिहार को भी जोड़िये। (व्यवधान)

श्री नरेश यादव: सभापति महोदय, जल की खेती के लिए एक कार्य बल का गठन हुआ है। यह एक स्वागतयोग्य बात है। मैं यह कहना चाहता हूं कि बिहार में अकेले मखाने की खेती जितनी होती है पूरे हिन्दुस्तान में जितनी खेती होती है उसकी आधे से अधिक खेती बिहार में होती है। यह खेती जल में होती है। जल में मखाना पैदा किया जाता है और किसान पानी के नीचे से कांटे द्वारा मखाना निकालते हैं। मैं माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि क्या आपने अपनी विशेष कार्यसूची में मखाना की खेती को भी शामिल किया है?

श्री भुवनेश चतुर्वेदी: सभापति महोदय, बिहार के एक्वा-कल्चर की बाबत मुझे जानकारी नहीं है लेकिन बिहार के अन्य कल्चर के बारे में मैं जानता हूं। (व्यवधान) मैं यह निवेदन करता हूं कि उसकी बाबत मेरे पास सूचना अभी नहीं है। मैं सूचना ले कर आपके पास भिजवा दूंगा।

श्रीमती सरला माहेश्वरी: माननीय सभापति महोदय जल कृषि और समुद्रिक जल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में जिस कार्य बल का पांच वर्ष पूर्व गठन किया गया, उस कार्य बल के जो विचारार्थ विषय हैं, उसमें एक विषय यह भी है कि प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की तलाश करना। किस तरह से टेक्नोलोजी को विकसित किया जाए, यह भी एक विषय है। मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहूंगी कि क्या यह सच है कि इस क्षेत्र में सी-फूड एक ऐसा उभरता हुआ क्षेत्र है जिस क्षेत्र में भारत की तरक्की

लगातार हो रही है। कई प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद, पिछले वर्ष प्लेग होने के कारण हालांकि हमें 800 करोड़ रुपये का नुक्सान हुआ, इसके बावजूद हमारे निर्यात में बहुत वृद्धि हुई है। मैं जानना चाहूंगी कि क्या इस क्षेत्र में आप बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को निमंत्रित कर रहे है? पिछले वर्ष जिस तरह से आपने बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को सी फिशिंग के लिए दावत दी, हमारे देश के मछुआरों ने इसके विरुद्ध सत्याग्रह किया और आन्दोलन भी चलाया था। मैं जानना चाहती हूं कि क्या यह कार्य बल इस बात की जांच करेगा कि तकनीकी विकास के नाम पर यह बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को छूट देना क्या उन बहु राष्ट्रीय कम्पनियों के टर्म्स आफ रेफ्रेंस में यह शामिल है कि सीधे समुद्र से मछलियां पकड़ कर कहीं भी ले जाएंगी।

MR. CHAIRMAN: Kindly conclude.

श्रीमती सरला माहेश्वरी : इसका प्रभाव हिंदुस्तान पर क्या पड़ेगा? क्या इकोलाजिकल...**(व्यवधान)**

MR. CHAIRMAN: Please conclude your question.

SHRIMATI SARALA MAHESHWARI: Sir, I am going to conclude.

MR. CHAIRMAN: You ask your question, please.

SHRIMATI SARALA MAHESHWARI: I am finishing. Sir.

MR. CHAIRMAN: If you have a point, you please ask your question.

SHRIMATI SARALA MAHESWARI: I am asking. Sir.

MR. CHAIRMAN: You have asked? Please do sit down.

श्रीमती सरला माहेश्वरी: इसका इकोलाजिकल बैलेंस पर क्या प्रभाव पड़ेगा? क्या यह टर्म्स आफ रेफरेंस है। अगर यह होगा तो ओवरसी फिशिंग हो रही है कि नहीं इसका आप आंकलन नहीं कर पाएंगे, मछलियों का प्रोडक्शन जो होगा उसका भी आंकलन नहीं कर पाएंगे।

श्री भुवनेश चतुर्वेदी : सभापति जी, इकोलाजी और इन्वायरमेंट का यह बहुत महत्वपूर्ण सवाल है। लेकिन आपकी इतनी बड़ी तकरीर में जो मुद्दे का सवाल है वह कहीं भटक गया है। मेरा आपसे निवेदन है कि टास्क फोर्स लगातार इस बात की जांच करती रहती है। इन्वायरनमेंट और दूसरे पहलुओं के हिसाब से कि वे ठीक दिशा में कार्य करें। आपको पता है कि सुप्रीम कोर्ट की इसमें रूलिंग हो गयी है। इसको टास्क फोर्स ने अपेंड किया है---इन्वायरनमेंट एक्ट में। उसके अंतर्गत गाइडलाइन्स दी है अपनी स्टेट्स को कि इन गाइडलाइन्स के तहत कार्य किया जाए। इसलिए इन्वायरनमेंट के लिए, इंपलायमेंट के लिए, गरीब किसानों को नुक्सान न हो इसके लिए---यह सब गाइडलाइन्स में है। यह टास्क फोर्स लगातार इस की मानीटरिंग करती है और विशेषकर वेस्ट बंगाल का करती है।

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir, I am glad that Sarala Maheshwariji has asked about the environmental angle, In spite of what the Minister has said, the problem is that because of widespread aquaculture, in all the coastal areas, sea water has entered into fresh water aquifers and this has caused serious environmental problems to the farmers. My question to the hon. Minister is this.

I do not know whether the Task force is aware of another serious problem. In prawn cultivation in these aquaculture farms prawn seeds are very valuable. These are very fine and very delicate seeds. Young children of about five or six years of age are being employed to pick up the seeds from the aquaculture farms. These seeds cost from 40 paise to one rupee per piece. The children are paid for each seed that they pick up. They are hair-likes seeds. Only children can be used for this. There is a widespread misuse of child labour in the aquaculture farms being reported everyday. I want to ask of the Minister whether he is aware of it. The children are now complaining of back-pain. They are swallowing brackish water because they have to put their heads under water and search for the seeds. They are complaining of back-pain. There is a serious health hazard to these children. I want to ask of the hon. Minister whether the Task Force is aware of it, and, if not, whether they will take steps to curtail employment of such child labour in the aquaculture farms.

SHRI BHUVNESH CHATURVEDI: Sir, I am quite happy that now most relevant and important supplementaries are being asked.

मौलाना ओबेदुल्ला खान आजमी: इससे पहले आपने गलत जवाबात दिए होंगे। सवालात सब सही हुए है...(व्यवधान) आपने गलत जवाब दिए होंगे, सवालात सब सही पूछे गए है। ये अल्फाज वापस लीजिए...(व्यवधान) नहीं, ये अल्फाज वापस लीजिए कि यह मुझे खुशी है कि अब सही सवाल किए जा रहे है। क्या इससे पहले गलत जवाब दिए गए थे..(व्यवधान) पहले गलत जवाब जरूर आपने दिए होंगे...

†[مولانا عبیداللہ خاں اعظمی: اس سے پہلے آپنے غلط جوابات دئے ہونگے۔ سوالات سب صحیح ہو رہے ہیں ... "مداخلت" آپنے غلط جوابات دیئے ہونگے۔ سوالات سب صحیح پوچھے گئے ہیں۔ یہ الفاظ واپس لیجئے ... "مداخلت" ... نہیں - یہ الفاظ واپس لیجئے کہ یہ مجھے خوشی ہے کہ اب صحیح سوال کئے جا رہے ہیں کیا اس سے پہلے غلط سوال کئے گئے تھے ... "مداخلت" ... پہلے غلط جواب ضرور آپنے دیئے ہونگے ...]

श्री भुवनेश चतुर्वेदी: नहीं नहीं, I am sorry.

मौलाना ओबेदुल्ला खान आजमी: पहले भी सब सवाल सही किए गए थे। आप अपने अल्फाज वापस लीजिए...(व्यवधान)

†[مولانا عبیداللہ خاں اعظمی: پہلے بھی سب سوال صحیح کئے گئے تھے - آپ اپنے الفاظ واپس لیجئے ... "مداخلت" ...]

श्री भुवनेश चतुर्वेदी: आपका सवाल सबसे अच्छा था..(व्यवधान)

मौलाना ओबेदुल्ला खान आजमी: आपका जवाब सबसे...(व्यवधान) बुरा था। आपने यह जो बात कही है यह अनपार्लियामेंट्री बात कही है। यह बात कहने का आपको कोई हक नहीं है...(व्यवधान) नहीं, मैं आपसे प्रोटेस्ट करता हूं। मंत्री जी यह बात कह रहे है कि अब सही सवाल हो रहे हैं। कांग्रेस वाले सवाल कर रहे हैं तो सही हो रहे है...(व्यवधान) यह बात गलत है।

†[مولانا عبیداللہ خاں اعظمی: آپکا جواب سب سے ... "مداخلت" ... برا تھا - آپنے یہ جو بات کہی ہے یہ ان پارلیمنٹری بات کہی ہے - یہ بات کہنے کا آپکو کوئی حق نہیں ہے ... "مداخلت" ... نہیں - میں آپ سے پروٹیسٹ کرتا ہوں - منتری جی یہ بات کہہ رہے ہیں کہ اب صحیح سوال ہو رہے ہیں - کانگریس والے کر رہے ہیں تو صحیح ہو رہے ہیں ... "مداخلت" ... یہ بات غلط ہے -]

MR. CHAIRMAN: It was a humour. Let us have humour in the House.... *(Interruptions)*

Please, please. Members and Ministers always talk this way. Kindly sit down.

मौलाना ओबेदुल्ला खान आजमी: उनको कहने का कोई हक नहीं है कि अब सवाल ठीक हो रहे है...(व्यवधान) मैं यह कहूंगा कि वे जवाब गलत दे रहे है और अभी तक जवाब सही नहीं दे रहे है।

†[مولانا عبیداللہ خاں اعظمی: انکو کہنے کا کوئی حق نہیں ہے کہ جب اب سوال ٹھیک کر رہے ہیں ... "مداخلت" ... میں یہ

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

کیونکہ وہ جواب غلط دے رہے ہیں۔ اور ابھی تک جواب صحیح نہیں دے رہے ہیں]

MR. CHAIRMAN: Kindly sit down. Mr. Minister, please answer the relevant question now.

मौलाना ओबेदुल्ला खान आजमी: जवाब में पोलिटिकल जवाब नहीं देना चाहिए। जवाब सही देना चाहिए क्योंकि आप देश के मिनिस्टर हैं। पोलिटिकल जवाब मत दीजिए।

†[مولانا عبید اللہ خان اعظمی: جواب میں پولیٹیکل جواب نہیں دینا چاہیئے۔ جواب صحیح دینا چاہیئے۔ کیونکہ آپ دیش کے منسٹر ہیں۔ پالیٹیکل جواب مت دیجئے]

SHRI BHUVNESH CHATURVEDI: I am sorry about it. Don't feel like that.

I do realise the importance of child labour in it. The involvement of child labour in it is a very serious problem, and the Task Force is seized of the matter. The Task force is looking into the question as to how far it is possible to avoid totally the child labour and also to see how far pollution of the water can be avoided. These are the very big problems before the Task Force. It is looking into them. We hope we shall be able to remove these two difficulties about child labour and about pollution of water. We are constantly trying to remove these difficulties.

† [ ]Transliteration in Arabic Script

Big Industrial Houses in Community Development Programmes

*422. SHRI J.S. RAJU:†
SHRI SANJAY DALMIA:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state: (a) whether some of the big industrial houses have started taking interest in community development programmes in rural areas; and

(b) if so, the details thereof?

ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्रालय में राज्य मंत्री (ग्रामीण विकास विभाग) (श्री उत्तमभाई एच॰ पटेल॰): (क) सरकार को ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक विकास कार्यक्रमों में बड़े औद्योगिक घरानों की विशेष भागीदारी के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

श्री उत्तमभाई एच॰ पटेल: सभापति महोदय, "क", "ख" एक विवरण सभा पटल पर रखा जा रहा है।

SHRI SATISH AGARWAL: There is no statement available, Sir.

SHRI VIREN J. SHAH: Where is the statement?

MR. CHAIRMAN: The written reply is there. Please read out the written reply.

श्री उत्तमभाई एच॰ पटेल: "क" सरकार को ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक विकास कार्यक्रमों में बड़े औद्योगिक घरानों की विशेष भागीदारी के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

"ख" प्रश्न नहीं उठता।

SHRI J.S. RAJU: The reply clearly shows that the big industries have scant regard for community development. Will the Government come forward to initiate steps to impress upon the industrial houses to take care of the rural area development?

श्री उत्तमभाई एच॰ पटेल: वैसे सभापति महोदय, आयकर जो अधिनियम है इसकी धाराओं में आयकर की 100 प्रतिशत छूट दी गई है। इसलिए उद्योगपति जो

† The question was actually asked on the floor of the House by Shri J.S. Raju.